

ले लेते हो।

80

अपने ही और से अधिकता भी नरेन्द्र कुमार मेहता
ने उपरिवाह होकर बाद प्रकरण को नोट प्रेष
करने से अलग ही धारणा प्राप्त की होगी
हलका की गई। जिसपर वकील वादी ने बाद प्रकरण
को नोट प्रेष किया गया। वकील वादी इस प्रकरण
में अब और धारणा कार्यवाही नहीं धारणा है। बाद
प्रकरण को नोट प्रेष में शरीर किया जाता है।
पत्रावली फेरस सुभाह होकर नखर से संधी

Hotmes




